चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम......दैनिक सवेरा......

दिनांक 18-12-2020 पृष्ठ संख्या......6......कॉलम......3-6......

'सामुदायिक रेडियो स्टेशन के प्रसारणों का कृषि विकास में होगा महत्वपूर्ण योगदान'

एचएयू के कुलपति ने किया सामुदायिक रेडियो स्टेशन का उद्घाटन

सिरसा, 17 दिसंबर (दिनेश कौशिक) : कृषि विज्ञान केंद्र पर बृहस्पतिवार को सामुदायिक रेडियो स्टेशन का उद्घाटन किया गया। जिसमें चौधरी चरणसिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। प्रो. समर सिंह ने सामुदायिक रेडियो स्टेशन का उद्घाटन करने के बाद कहा कि सामुदायिक रेडियो स्टेशनों के प्रसारणों का कृषि विकास में महत्वपूर्ण योगदान होगा। इन स्टेशनों पर किसानों को ध्यान में रखकर कार्यक्रम प्रसारित किए जाएंगे। इन पर प्रसारित कार्यक्रमों के माध्यम से किसान सम-सामयिक विषयों पर संपूर्ण जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि इनसे किसानों को मौसम संबंधी जानकारी, विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों की सलाह, पशुपालन एवं गृह विज्ञान से संबंधित नवीनतम जानकारी प्रदान की जाएगी। सामुदायिक रेडियो स्टेशन स्थानीय संस्कृति, कला एवं ज्ञान को भी बढ़ावा देंगे तथा किसानों की आय दोगुना करने में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उदेश्य को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने बताया कि इन स्टेशनों पर महिलाओं को स्वावलंबी व स्वरोजगारोन्मुखी बनाने संबंधित कार्यक्रम भी सुव्यविस्थत तरीके से अधिक से अधिक प्रसारित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय एक साथ सात सामुदायिक रेडियो स्टेशन स्थापित करने वाला देश का पहला कृषि विश्वविद्यालय बन गया है। भारत सरकार व हरियाणा सरकार की सहायता से इस तरह के छह सामुदायिक रेडियो स्टेशन विभिन्न कृषि विज्ञान केंद्रों पर पहले ही स्थापित किए जा चुके हैं। इनमें हिसार, रोहतक, झज्जर, पानीपत, कुरूक्षेत्र व जींद शामिल है। इस अवसर पर सिरसा के एसडीएम जयवीर यादव, अनुसंधान निदेशक डॉ. एस के. सहरावत, प्रोजेक्ट डायरेक्टर डॉ. सतीश खोखर, कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ संयोजक डॉ. देवेंद्र जाखड़, जिला विस्तार विशेषज्ञ, प्रगतिशील किसानों सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

सामुदायिक रेडियो स्टेशन का उद्घाटन करते कुलपति प्रो. समर सिंह।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........ हरिभूमि ....

दिनांक 18.12.2020 पृष्ठ संख्या 12 कॉलम 6-8

सामुदायिक रेडियो स्टेशन के प्रसारणों का कृषि विकास में होगा महत्वपूर्ण योगदान

■ एचएयू के कुलपति ने सामुदायिक रेडियो स्टेशन का किया उद्घाटन

हरिभूमि न्यूज ▸▸ सिरसा

सिरसा। सामुदायिक रेडियो स्टेशन का उद्घाटन करते कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व अन्य अधिकारी। फोटो :हरिभूमि

सामुदायिक रेडियो स्टेशनों के प्रसारणों का कृषि विकास में महत्वपूर्ण योगदान होगा। इन स्टेशनों पर किसानों को ध्यान में रखकर कार्यक्रम प्रसारित किए जाएंगे। इन पर प्रसारित कार्यक्रमों के माध्यम से किसान सम-सामयिक विषयों पर संपूर्ण जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। यह बात चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कही। वे विश्वविद्यालय के सिरसा में स्थित कृषि विज्ञान केंद्र पर सामुदायिक रेडियो स्टेशन के विधिवत उद्घाटन के बाद बोल रहे थे। यह रेडियो स्टेशन अब किसानों के लिए समर्पित कर दिया गया है।

इस सामुदायिक रेडियो स्टेशन को हरियाणा सरकार के सहयोग से राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत स्थापित किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति ने कहा कि इनसे किसानों को मौसम संबंधी जानकारी; वश्विविद्यालय के वैज्ञानिकों की सलाह, पशुपालन एवं गृह वज्ञिान से संबंधित नवीनतम जानकारी प्रदान की जाएगी। किसानों व वैज्ञानिकों के होंगे घनिष्ठ संबंध, मिलेगी हर जानकारी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........ हरि भूमि ....

दिनांक 18.12.2020 ...पृष्ठ संख्या... 9 ....कॉलम... 2-7 ....

कोरोना महामारी के चलते हकृवि ने परीक्षाएं करवाईं, जो कारगर रही

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने पहली बार मध्यावधि एग्जाम के लिए कृषि विज्ञान केंद्रों को भी परीक्षा सेंटर बनाया

एचएयू ने ऑनलाइन व ऑफलाइन रूप से आयोजित किए मिड टर्म एक्जाम

हरिभूमि न्यूज ›› हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं की मध्यावधि परीक्षाओं के लिए कोरोना महामारी के चलते इस बार एक नया पैटर्न अपनाया है। इस पैटर्न के तहत विद्यार्थियों के लिए ऑनलाइन व ऑफलाइन माध्यम से परीक्षाएं आयोजित कराई गई, जो कारगर साबित हुई हैं। इन परीक्षाओं में विद्यार्थियों ने सुविधानुसार बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बीआर कंबोज ने बताया कि कोरोना महामारी के चलते विद्यार्थियों के लिए मध्यावधि परीक्षाओं का आयोजन एक चुनौती भरा कार्य था। ऐसे में विश्वविद्यालय प्रशासन ने बैठक आयोजित कर एक नया पैटर्न अपनाते हुए पहली बार सभी परीक्षाओं को ऑनलाइन व ऑफलाइन माध्यम से आयोजित करने का फैसला लिया। ऑफलाइन परीक्षाओं के लिए इस बार विभिन्न केंद्रों में भी परीक्षा केंद्र बनाए गए थे।

विदेशियों व बाहरी राज्यों के विद्यार्थियों ने दी ऑनलाइन परीक्षा

परीक्षा नियंत्रक डॉ. एस.के. पाहुजा ने बताया कि जो विद्यार्थी विदेश से यहां पढ़ रहे थे या फिर जो बाहरी राज्यों से संबंध रखते थे और कोरोना महामारी के चलते वापस अपने देश व राज्य में चले गए, उनके लिए ऑनलाइन परीक्षा का माध्यम रखा गया जबकि प्रदेश के विभिन्न जिलों के पढ़ने वाले विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय के अलावा अपने नजदीकी कृषि विज्ञान केंद्रों में परीक्षा दी। उन्होंने बताया कि स्नातक व स्नातकोत्तर की विभिन्न कक्षाओं के लिए विश्वविद्यालय में कुल 616 विद्यार्थियों ने ऑफलाइन माध्यम से परीक्षा दी जबकि कृषि विज्ञान केंद्र पानीपत में 21, कुरुक्षेत्र में 21, जींद में 49, यमुनानगर में 22, फरीदाबाद में 4, बावल में 25, कैथल में 29, पंचकूला में 3, सोनीपत में 17, सिरसा में 46, रोहतक में 35, मंडकोला में 9, महेंद्रगढ़ में 52, करनाल में 21, फतेहाबाद में 48, भिवानी में 65, अंबाला में 4, झज्जर में 2 और सदलपुर में 18 विद्यार्थियों ने ऑफलाइन माध्यम से परीक्षा दी। इसके अलावा कुल 85 विद्यार्थी ऑनलाइन माध्यम से परीक्षाओं में शामिल हुए जिनमें बाहरी राज्यों व विदेशों से परीक्षार्थी शामिल थे। इनमें से कुछ विद्यार्थी अफगानिस्तान व म्यांमार से शामिल थे।

जनवरी में भी इसी पैटर्न पर होंगे पेपर

परीक्षा नियंत्रक डॉ. एस.के. पाहुजा ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा जनवरी माह में आयोजित की जाने वाली फाइनल परीक्षाएं भी इसी पैटर्न पर ली जाएंगी ताकि विद्यार्थियों को किसी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े। साथ ही कोरोना महामारी के चलते केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों का पालन हो सके।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....अमर उजाला.....

दिनांक 18.12.2020 पृष्ठ संख्या.....4.....कॉलम.....1-3.....

हकृवि की फाइनल परीक्षाएं भी होंगी ऑनलाइन व ऑफलाइन माध्यम से

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (हकृवि) की वार्षिक परीक्षाएं ऑनलाइन व ऑफलाइन दोनों पैटर्न से होंगी। मध्यावधि परीक्षाओं की तर्ज पर इन परीक्षाओं में भी कृषि विज्ञान केंद्रों को परीक्षा केंद्र बनाया जाएगा।

बता दें कि हकृवि ने स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं की मध्यावधि परीक्षाओं के लिए कोरोना महामारी के चलते इस बार एक नया पैटर्न अपनाया था। इस पैटर्न के तहत विद्यार्थियों के लिए ऑनलाइन व ऑफलाइन माध्यम से परीक्षाएं आयोजित कराई गई। यह फार्मूला कारगर साबित हुआ। अब विवि प्रशासन ने इसी तर्ज पर वार्षिक परीक्षाएं कराने का फैसला किया है।

विदेशी व बाहरी राज्यों के लिए विद्यार्थियों ने दी ऑनलाइन परीक्षा : विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार मध्यावधि परीक्षाओं के लिए विवि ने एक नया पैटर्न अपनाते हुए पहली बार परीक्षाएं ऑनलाइन व ऑफलाइन माध्यम से कराई गई। ऑफलाइन परीक्षाओं के लिए विवि के विभिन्न जिलों में स्थापित कृषि विज्ञान केंद्रों में भी परीक्षा केंद्र बनाए गए थे। जो विद्यार्थी विदेश से यहां पढ़ रहे थे या फिर जो बाहरी राज्यों से संबंध रखते थे और कोरोना महामारी के चलते वापस अपने देश व राज्य में चले गए, उनके लिए ऑनलाइन परीक्षा का माध्यम रखा था जबकि प्रदेश के विभिन्न जिलों के पढ़ने वाले विद्यार्थियों ने विवि के अलावा अपने नजदीकी कृषि विज्ञान केंद्रों में परीक्षा दी।

> विश्वविद्यालय द्वारा जनवरी में आयोजित की जाने वाली फाइनल परीक्षाएं भी इसी पैटर्न पर ली जाएंगी ताकि विद्यार्थियों को किसी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े। साथ ही कोरोना महामारी के चलते केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों का पालन हो सके। - **डॉ. एसके पाहुजा, परीक्षा नियंत्रक, हकृवि**

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....पंजाब केसरी.....

दिनांक 18.12.2020....पृष्ठ संख्या.....2.....कॉलम.....1-3.....

'हकृवि ने पहली बार मध्यावधि परीक्षाओं के लिए कृषि विज्ञान केंद्रों को बनाया परीक्षा केंद्र'

हिसार, 17 दिसम्बर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं की मध्यावधि परीक्षाओं के लिए कोरोना महामारी के चलते इस बार एक नया पैटर्न अपनाया है। इसके तहत विद्यार्थियों के लिए ऑनलाइन व ऑफलाइन माध्यम से परीक्षाएं आयोजित कराई गई, जो कारगर साबित हुई।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. बी.आर. कंबोज ने बताया कि कोरोना महामारी के चलते विद्यार्थियों के लिए मध्यावधि परीक्षाओं का आयोजन एक चुनौती भरा कार्य था। ऐसे में विश्वविद्यालय प्रशासन ने बैठक आयोजित कर एक नया पैटर्न अपनाते हुए पहली बार सभी परीक्षाओं को ऑनलाइन व ऑफलाइन माध्यम से आयोजित करने का फैसला लिया। ऑफलाइन परीक्षाओं के लिए इस बार विश्वविद्यालय के विभिन्न जिलों में स्थापित कृषि विज्ञान केंद्रों में भी परीक्षा केंद्र बनाए गए थे।

विदेशियों व बाहरी राज्यों के विद्यार्थियों ने दी ऑनलाइन परीक्षा, बाकी पहुंचे नजदीकी परीक्षा केंद्र

परीक्षा नियंत्रक डा. एस.के. पाहुजा ने बताया कि जो विद्यार्थी विदेश से यहां पढ़ रहे थे या फिर जो बाहरी राज्यों से संबंध रखते थे और कोरोना महामारी के चलते वापस अपने देश व राज्य में चले गए, उनके लिए ऑनलाइन परीक्षा का माध्यम रखा गया, जबकि प्रदेश के विभिन्न जिलों के पढ़ने वाले विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय के अलावा अपने नजदीकी कृषि विज्ञान केंद्रों में परीक्षा दी। उन्होंने बताया कि स्नातक व स्नातकोत्तर की विभिन्न कक्षाओं के लिए विश्वविद्यालय में कुल 616 विद्यार्थियों ने ऑफलाइन माध्यम से परीक्षा दी, जबकि कृषि विज्ञान केंद्र पानीपत में 21, कुरुक्षेत्र में 21, जींद में 49, यमुनानगर में 22, फरीदाबाद में 4, बावल में 25, कैथल में 29, पंचकूला में 3, सोनीपत में 17, सिरसा में 46, रोहतक में 35, मंडकौला में 9, महेंद्रगढ़ में 52, करनाल में 21, फतेहाबाद में 48, भिवानी में 65, अम्बाला में 4, झज्जर में 2 और सदलपुर में 18 विद्यार्थियों ने ऑफलाइन माध्यम से परीक्षा दी। इसके अलावा कुल 85 विद्यार्थी ऑनलाइन माध्यम से परीक्षाओं में शामिल हुए, जिनमें बाहरी राज्यों व विदेशों से परीक्षार्थी शामिल थे। इनमें से कुछ विद्यार्थी अफगानिस्तान व मयंमार से शामिल थे।

जनवरी में भी इसी पैटर्न पर होंगे पेपर

परीक्षा नियंत्रक डा. पाहुजा ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा जनवरी माह में आयोजित की जाने वाली फाइनल परीक्षाएं भी इसी पैटर्न पर ली जाएंगी, ताकि विद्यार्थियों को किसी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक जागरण.....

दिनांक 18.12.2020...पृष्ठ संख्या.....4.....कॉलम.....6.8.....

परीक्षा के लिए एचएयू ने पहली बार कृषि विज्ञान केंद्रों को बनाया सेंटर

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विवि ने स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं की मध्यावधि परीक्षाओं के लिए कोरोना महामारी के चलते इस बार एक नया पैटर्न अपनाया है। इस पैटर्न के तहत विद्यार्थियों के लिए ऑनलाइन व ऑफलाइन माध्यम से परीक्षाएं आयोजित कराई गईं, जो कारगर साबित हुई हैं। इन परीक्षाओं में विद्यार्थियों ने सुविधानुसार बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. बीआर कंबोज ने बताया कि कोरोना महामारी के चलते विद्यार्थियों के लिए मध्यावधि परीक्षाओं का आयोजन एक चुनौती भरा कार्य था। ऐसे में विश्वविद्यालय प्रशासन ने बैठक आयोजित कर एक नया पैटर्न अपनाते हुए पहली बार सभी परीक्षाओं को ऑनलाइन व ऑफलाइन माध्यम से आयोजित करने का फैसला लिया। ऑफलाइन परीक्षाओं के लिए इस बार विश्वविद्यालय के विभिन्न जिलों में स्थापित कृषि विज्ञान केंद्रों में भी परीक्षा केंद्र बनाए गए थे।

विदेशियों व बाहरी राज्यों के विद्यार्थियों ने दी ऑनलाइन परीक्षा: परीक्षा नियंत्रक डा. एसके पाहुजा ने बताया कि जो विद्यार्थी विदेश से यहां पढ़ रहे थे या फिर जो बाहरी राज्यों से संबंध रखते थे और कोरोना महामारी के चलते वापस अपने देश व राज्य में चले गए, उनके लिए ऑनलाइन परीक्षा का माध्यम रखा गया। इसके अलावा प्रदेश के विभिन्न जिलों के विद्यार्थियों ने विवि के अलावा अपने नजदीकी कृषि विज्ञान केंद्रों में परीक्षा दी।

उन्होंने बताया कि स्नातक व स्नातकोत्तर की विभिन्न कक्षाओं के लिए विश्वविद्यालय में कुल 616 विद्यार्थियों ने ऑफलाइन माध्यम से परीक्षा दी। वहीं कृषि विज्ञान केंद्र पानीपत में 21, कुरुक्षेत्र में 21, जींद में 49, यमुनानगर में 22, फरीदाबाद में 4, बावल में 25, कैथल में 29, पंचकूला में 3, सोनीपत में 17, सिरसा में 46, रोहतक में 35, मंडकौला में 9, महेंद्रगढ़ में 52, करनाल में 21, फतेहाबाद में 48, भिवानी में 65, अंबाला में 4, झज्जर में 2 और सदलपुर में 18 विद्यार्थियों ने ऑफलाइन माध्यम से परीक्षा दी। इसके अलावा कुल 85 विद्यार्थी ऑनलाइन माध्यम से परीक्षाओं में शामिल हुए। इनमें बाहरी राज्यों व विदेशों से परीक्षार्थी शामिल थे। कुछ विद्यार्थी अफगानिस्तान व म्यांमार के थे।

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. बीआर कंबोज। ● पीआरओ

अब इसी पैटर्न पर होंगे पेपर

विश्वविद्यालय द्वारा जनवरी माह में आयोजित की जाने वाली फाइनल परीक्षाएं भी इसी पैटर्न पर ली जाएंगी, ताकि विद्यार्थियों को किसी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े। साथ ही कोरोना महामारी के चलते केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों का पालन हो सके।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........दैनिक ट्रिब्यून........

दिनांक 18.12.2020 पृष्ठ संख्या 8 कॉलम 6-8

एचएयू ने कृषि विज्ञान केंद्रों को बनाया परीक्षा केंद्र

ऑनलाइन व ऑफलाइन माध्यम से ली परीक्षाएं

हिसार, 17 दिसंबर (निस)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं की मध्यावधि परीक्षाओं के लिए कोरोना महामारी के चलते इस बार एक नया पैटर्न अपनाया है। जिसके तहत विद्यार्थियों के लिए ऑनलाइन व ऑफलाइन माध्यम से परीक्षाएं आयोजित कराई गईं। इसके लिए जिलों में स्थापित कृषि विज्ञान केंद्रों में भी परीक्षा केंद्र बनाए गए थे।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बीआर कंबोज ने बताया कि कोरोना महामारी के चलते विद्यार्थियों के लिए मध्यावधि परीक्षाओं का आयोजन एक चुनौती भरा कार्य था। ऐसे में विश्वविद्यालय प्रशासन ने बैठक आयोजित कर एक नया पैटर्न अपनाते हुए पहली बार सभी परीक्षाओं को ऑनलाइन व ऑफलाइन माध्यम से आयोजित करने का फैसला लिया।

विदेशी व बाहरी राज्यों के विद्यार्थियों ने दी ऑनलाइन परीक्षा

परीक्षा नियंत्रक डॉ. एसके पाहुजा ने बताया कि जो विद्यार्थी विदेश से यहां पढ़ रहे थे या फिर जो बाहरी राज्यों से संबंध रखते थे और कोरोना महामारी के चलते वापस अपने देश व राज्य में चले गए, उनके लिए ऑनलाइन परीक्षा का माध्यम रखा गया। कुल 85 विद्यार्थी ऑनलाइन माध्यम से परीक्षाओं में शामिल हुए, जिनमें बाहरी राज्यों व विदेशों से परीक्षार्थी थे। इनमें से कुछ विद्यार्थी अफगानिस्तान व म्यांमार से शामिल थे। जबकि प्रदेश के विभिन्न जिलों के विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय के अलावा अपने नजदीकी कृषि विज्ञान केंद्रों में परीक्षा दी।

प्रदेश में विभिन्न केंद्रों में ऑफलाइन रहा माध्यम

उन्होंने बताया कि स्नातक व स्नातकोत्तर की विभिन्न कक्षाओं के लिए विश्वविद्यालय में कुल 616 विद्यार्थियों ने ऑफलाइन माध्यम से परीक्षा दी जबकि कृषि विज्ञान केंद्र पानीपत में 21, कुरुक्षेत्र में 21, जींद में 49, यमुनानगर में 22, फरीदाबाद में 4, बावल में 25, कैथल में 29, पंचकूला में 3, सोनीपत में 17, सिरसा में 46, रोहतक में 35, मंडकौला में 9, महेंद्रगढ़ में 52, करनाल में 21, फतेहाबाद में 48, भिवानी में 65, अंबाला में 4, झज्जर में 2 और सदलपुर में 18 विद्यार्थियों ने ऑफलाइन परीक्षा दी।

ऑफलाइन परीक्षाओं के लिए इस बार विभिन्न जिलों में स्थापित कृषि विज्ञान केंद्रों में भी परीक्षा केंद्र बनाए गए थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक भास्कर.....

दिनांक 18.12.2020.....पृष्ठ संख्या.....2.....कॉलम.....8.....

एचएयू ने मध्यावधि परीक्षाओं के लिए कृषि विज्ञान केंद्रों को भी बनाया केंद्र

भास्कर न्यूज | हिसार

एचएयू ने स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं की मध्यावधि परीक्षाओं के लिए कोरोना महामारी के चलते इस बार एक नया पैटर्न अपनाया है। इस पैटर्न के तहत विद्यार्थियों के लिए ऑनलाइन व ऑफलाइन माध्यम से परीक्षाएं आयोजित कराई गई, जो कारगर साबित हुई हैं। इन परीक्षाओं में विद्यार्थियों ने सुविधानुसार हिस्सा लिया। परीक्षा नियंत्रक डॉ. एसके पाहुजा ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा जनवरी माह में आयोजित की जाने वाली फाइनल परीक्षाएं भी इसी पैटर्न पर ली जाएंगी ताकि विद्यार्थियों को किसी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े। साथ ही कोरोना महामारी के चलते केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों का पालन हो सके। परीक्षा नियंत्रक डॉ. एसके पाहुजा ने बताया कि जो विद्यार्थी विदेश से यहां पढ़ रहे थे या फिर जो बाहरी राज्यों से संबंध रखते थे और कोरोना महामारी के चलते वापस अपने देश व राज्य में चले गए, उनके लिए ऑनलाइन परीक्षा का माध्यम रखा गया जबकि प्रदेश के विभिन्न जिलों के पढ़ने वाले विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय के अलावा अपने नजदीकी कृषि विज्ञान केंद्रों में परीक्षा दी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक जागरण सिरसा.....

दिनांक 18.12.2020 पृष्ठ संख्या.....—.....कॉलम.....—.....

सामुदायिक रेडियो से 25 किमी तक मिलेंगी कृषि और पशुपालन से संबंधित जानकारियां

जागरण संवाददाता, सिरसा : सामुदायिक रेडियो स्टेशनों के प्रसारणों का कृषि विकास में महत्वपूर्ण योगदान होगा। इन स्टेशनों पर किसानों को ध्यान में रखकर कार्यक्रम प्रसारित किए जाएंगे। सिरसा कृषि विज्ञान केंद्र में स्थापित सामुदायिक रेडियो स्टेशन से 25 किलोमीटर तक की परिधि के किसानों को घर बैठे कृषि, पालन संबंधित नवीनतम जानकारियां उपलब्ध होगी।

ये विचार चौधरी चरण सिंह कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कृषि विज्ञान केंद्र पर सामुदायिक रेडियो स्टेशन के विधिवत उद्घाटन के बाद पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहे। यह सामुदायिक रेडियो स्टेशन को प्रदेश सरकार के सहयोग से राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत स्थापित किया गया है। इनसे किसानों को मौसम संबंधी जानकारी, विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों की सलाह, पशुपालन एवं गृह विज्ञान से संबंधित नवीनतम जानकारी प्रदान की जाएगी। रेडियो स्टेशन के माध्यम से किसान टोल फ्री नंबर पर कॉल करके अथवा कृषि वैज्ञानिकों से संपर्क कर जानकारी ले सकेंगे। इस तरह के छह सामुदायिक रेडियो स्टेशन विभिन्न कृषि विज्ञान केंद्रों पर पहले ही स्थापित किए जा चुके हैं।

कृषि विज्ञान केंद्र में सामुदायिक रेडियो स्टेशन का उद्घाटन करते हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह। • विज्ञप्ति

रोजाना चार घंटे होगा प्रसारण

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि रेडियो स्टेशनों के स्थापित होने के बाद किसानों व वैज्ञानिकों के संबंध अधिक घनिष्ठ होंगे और किसानों को हर प्रकार की जानकारी मिलती रहेगी। भविष्य में यह सामुदायिक रेडियो स्टेशन उन्नत व नवीनतम तकनीकों के प्रचार-प्रसार में मील का पत्थर साबित होंगे। विस्तार शिक्षा निदेशक डा. आरएस हुड्डा ने कहा कि रेडियो स्टेशन से दिन में दो बार सुबह 9:30 बजे से 11:30 बजे तथा शाम को 2:30 बजे से 4:30 बजे कार्यक्रम प्रसारित किए जाएंगे। इस मौके पर सह-निदेशक डा. सुनील ढांडा, नोडल ऑफिसर डा. कृष्ण यादव, अनुसंधान निदेशक डा. एसके सहरावत, प्रोजेक्ट डायरेक्टर डा. सतीश खोखर आदि मौजूद रहे।

कम यूरिया का इस्तेमाल करें

कुलपति प्रो. समर सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा गेहू की डब्लयूएच 1270 किस्म विकसित की गई है, जिसकी पैदावार प्रति हेक्टेयर चार से आठ क्विंटल अधिक है तथा इसमें पीला, भूरा रतुआ व अन्य रोग भी नहीं होते। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा किसानों को चार, दो, एक के अनुपात में नाइट्रोजन, फास्फोरस व पोटाश डालने का परामर्श दिया जाता है परंतु किसान 20 गुणा अधिक अनुपात तक यूरिया डालते है। इससे पौधों को बीमारी ज्यादा लगती है और बढ़वार अधिक होगी तो पैदावार कम होगी। गिरते भूजल को रोकने के लिए ड्रिप इरिगेशन, स्प्रिंकलर इत्यादि इस्तेमाल करने का परामर्श दिया जा रहा है। सरकार ड्रिप इरिगेशन के लिए 85 फीसद तक सब्सिडी भी दे रही है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........आज समाज........

दिनांक 18.12.2020 पृष्ठ संख्या....—.... कॉलम....—....

एचएयू ने कृषि विज्ञान केंद्रों को बनाया परीक्षा केंद्र

आज समाज नेटवर्क

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं की मध्यावधि परीक्षाओं के लिए कोरोना महामारी के चलते इस बार एक नया पैटर्न अपनाया है। इस पैटर्न के तहत विद्यार्थियों के लिए ऑनलाइन व ऑफलाइन माध्यम से परीक्षाएं आयोजित कराई गई, जो कारगर साबित हुई हैं। इन परीक्षाओं में विद्यार्थियों ने सुविधानुसार बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बी.आर.कंबोज ने बताया कि कोरोना महामारी के चलते विद्यार्थियों के लिए मध्यावधि परीक्षाओं का आयोजन एक चुनौती भरा कार्य था।

ऐसे में विश्वविद्यालय प्रशासन ने बैठक आयोजित कर एक नया पैटर्न अपनाते हुए पहली बार सभी परीक्षाओं को ऑनलाइन व ऑफलाइन माध्यम से आयोजित करने का फैसला लिया। ऑफलाइन परीक्षाओं के लिए इस बार विश्वविद्यालय के विभिन्न जिलों में स्थापित कृषि विज्ञान केंद्रों में भी परीक्षा केंद्र बनाए गए थे। परीक्षा नियंत्रक डॉ. एस.के. पाहुजा ने बताया कि जो विद्यार्थी विदेश से यहां पढ़ रहे थे या फिर जो बाहरी राज्यों से संबंध रखते थे और कोरोना महामारी के चलते वापस अपने देश व राज्य में चले गए, उनके लिए ऑनलाइन परीक्षा का माध्यम रखा गया जबकि प्रदेश के विभिन्न जिलों के पढने वाले विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय के अलावा अपने नजदीकी कृषि विज्ञान केंद्रों में परीक्षा दी।

उन्होंने बताया कि स्नातक व स्नातकोत्तर की विभिन्न कक्षाओं के लिए विश्वविद्यालय में कुल 616 विद्यार्थियों ने ऑफलाइन माध्यम से परीक्षा दी जबकि कृषि विज्ञान केंद्र पानीपत में 21, कुरूक्षेत्र में 21, जींद में 49, यमुनानगर में 22, फरीदाबाद में 4, बावल में 25, कैथल में 29, पंचकूला में 3, सोनीपत में 17, सिरसा में 46, रोहतक में 35, मंडकौला में 9, महेंद्रगढ़ में 52, करनाल में 21, फतेहाबाद में 48, भिवानी में 65, अंबाला में 4, झज्जर में 2 और सदलपुर में 18 विद्यार्थियों ने ऑफलाइन माध्यम से परीक्षा दी। इसके अलावा कुल 85 विद्यार्थी ऑनलाइन माध्यम से परीक्षाओं में शामिल हुए जिनमें बाहरी राज्यों व विदेशों से परीक्षार्थी शामिल थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम....पांच बजे....

दिनांक 17.12.2020....पृष्ठ संख्या....—....कॉलम....—....

एचएयू में ऑनलाइन व ऑफलाइन रूप से आयोजित किए जाएंगे मिड टर्म एक्जाम

एचएयू ने पहली बार मध्यावधि परीक्षाओं के लिए कृषि विज्ञान केंद्रों को भी बनाया परीक्षा केंद्र

पांच बजे न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं की मध्यावधि परीक्षाओं के लिए कोरोना महामारी के चलते इस बार एक नया पैटर्न अपनाया है। इस पैटर्न के तहत विद्यार्थियों के लिए ऑनलाइन व ऑफलाइन माध्यम से परीक्षाएं आयोजित कराई गई, जो कारगर साबित हुई हैं। इन परीक्षाओं में विद्यार्थियों ने सुविधानुसार बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बीआर कंबोज ने बताया कि कोरोना महामारी के चलते विद्यार्थियों के लिए मध्यावधि परीक्षाओं का आयोजन एक चुनौती भरा कार्य था। ऐसे में विश्वविद्यालय प्रशासन ने बैठक आयोजित कर एक नया पैटर्न अपनाते हुए पहली बार सभी परीक्षाओं को ऑनलाइन व ऑफलाइन माध्यम से आयोजित करने का फैसला लिया। ऑफलाइन परीक्षाओं के लिए इस बार विश्वविद्यालय के विभिन्न जिलों में स्थापित कृषि विज्ञान केंद्रों में भी परीक्षा केंद्र बनाए गए थे।

विदेशियों व बाहरी राज्यों के विद्यार्थियों ने दी ऑनलाइन परीक्षा, बाकि

पहुंचे नजदीकी परीक्षा केंद्र

परीक्षा नियंत्रक डॉ. एसके पाहुजा ने बताया कि जो विद्यार्थी विदेश से यहां पढ़ रहे थे या फिर जो बाहरी राज्यों से संबंध रखते थे और कोरोना महामारी के चलते वापस अपने देश व राज्य में चले गए, उनके लिए ऑनलाइन परीक्षा का माध्यम रखा गया जबकि प्रदेश के विभिन्न जिलों के पढ़ने वाले विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय के अलावा अपने नजदीकी कृषि विज्ञान केंद्रों में परीक्षा दी। उन्होंने बताया कि स्नातक व स्नातकोत्तर की विभिन्न कक्षाओं के लिए विश्वविद्यालय में कुल 616 विद्यार्थियों ने ऑफलाइन माध्यम से परीक्षा दी जबकि कृषि विज्ञान केंद्र पानीपत में 21, कुरूक्षेत्र में 21, जींद में 49, यमुनानगर में 22, फरीदाबाद में 4, बावल में 25, कैथल में 29, पंचकूला में 3, सोनीपत में 17, सिरसा में 46, रोहतक में 35, मंडकौला में 9, महेंद्रगढ़ में 52, करनाल में 21, फतेहाबाद में 48, भिवानी में 65, अंबाला में 4, झज्जर में 2 और सदलपुर में 18 विद्यार्थियों ने ऑफलाइन माध्यम से परीक्षा दी। इसके अलावा कुल 85 विद्यार्थी ऑनलाइन माध्यम से परीक्षाओं में शामिल हुए जिनमें बाहरी राज्यों व विदेशों से परीक्षार्थी शामिल थे। इनमें से कुछ विद्यार्थी अफगानिस्तान व मयंमार से शामिल थे।

जनवरी में भी इसी पैटर्न पर होंगे पेपर

परीक्षा नियंत्रक डॉ. एसके पाहुजा ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा जनवरी माह में आयोजित की जाने वाली फाइनल परीक्षाएं भी इसी पैटर्न पर ली जाएंगी ताकि विद्यार्थियों को किसी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े। साथ ही कोरोना महामारी के चलते केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों का पालन हो सके।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....सिटी पल्स.....

दिनांक 17.12.2020.....पृष्ठ संख्या.....—.....कॉलम.....—.....

एचएयू ने मध्यावधि परीक्षाओं के लिए कृषि विज्ञान केंद्रों को भी बनाया परीक्षा केंद्र

सिटी पल्स न्यूज़, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं की मध्यावधि परीक्षाओं के लिए कोरोना महामारी के चलते इस बार एक नया पैटर्न अपनाया है। इस पैटर्न के तहत विद्यार्थियों के लिए ऑनलाइन व ऑफलाइन माध्यम से परीक्षाएं आयोजित कराई गई, जो कारगर साबित हुई हैं। इन परिक्षाओं में विद्यार्थियों ने सुविधानुसार हिस्सा लिया। कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज ने बताया कि ऑफ लाइन परीक्षाओं के लिए इस बार विश्वविद्यालय के विभिन्न जिलों में स्थापित कृषि विज्ञान केंद्रों में भी परीक्षा केंद्र बनाए गए थे।

परीक्षा नियंत्रक डॉ. एस.के. पाहुजा ने बताया कि जो विद्यार्थी विदेश से यहां पढ़ रहे थे या फिर जो बाहरी राज्यों से संबंध रखते थे और कोरोना महामारी के चलते वापस अपने देश व राज्य में चले गए, उनके लिए ऑनलाइन परीक्षा का माध्यम रखा गया जबकि प्रदेश के विभिन्न जिलों के पढ़ने वाले विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय के अलावा अपने नजदीकी कृषि विज्ञान केंद्रों में परीक्षा दी।

उन्होंने बताया कि स्नातक व स्नातकोत्तर की विभिन्न कक्षाओं के लिए विश्वविद्यालय में कुल 616 विद्यार्थियों ने ऑफलाइन माध्यम से परीक्षा दी जबकि कृषि विज्ञान केंद्र पानीपत में 21, कुरूक्षेत्र में 21, जींद में 49, यमुनानगर में 22, फरीदाबाद में 4, बावल में 25, कैथल में 29, पंचकूला में 3, सोनीपत में 17, सिरसा में 46, रोहतक में 35, मंडकौला में 9, महेंद्रगढ़ में 52, करनाल में 21, फतेहाबाद में 48, भिवानी में 65, अंबाला में 4, झज्जर में 2 और सदलपुर में 18 विद्यार्थियों ने ऑफलाइन माध्यम से परीक्षा दी। इसके अलावा कुल 85 विद्यार्थी ऑनलाइन माध्यम से परीक्षाओं में शामिल हुए जिनमें बाहरी राज्यों व विदेशों से परीक्षार्थी शामिल थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.........नभ छोर.........

दिनांक 17.12.2020 पृष्ठ संख्या...—...कॉलम...—...

हकृवि में ऑफलाइन और ऑनलाइन करवायी परीक्षाएं

हिसार/17 दिसंबर/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं की मध्यावधि परीक्षाओं के लिए कोरोना महामारी के चलते इस बार एक नया पैटर्न अपनाया है। इस पैटर्न के तहत विद्यार्थियों के लिए ऑनलाइन व ऑफलाइन माध्यम से परीक्षाएं आयोजित कराई गई, जो कारगर साबित हुई हैं। इन परीक्षाओं में विद्यार्थियों ने सुविधानुसार हिस्सा लिया। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बीआर कंबोज ने बताया कि कोरोना महामारी के चलते विद्यार्थियों के लिए मध्यावधि परीक्षाओं का आयोजन एक चुनौती भरा कार्य था। ऐसे में विश्वविद्यालय प्रशासन ने बैठक आयोजित कर एक नया पैटर्न अपनाते हुए पहली बार सभी परीक्षाओं को ऑनलाइन व ऑफलाइन माध्यम से आयोजित करने का फैसला लिया। परीक्षा नियंत्रक डॉ. एसके पाहुजा ने बताया कि जो विद्यार्थी विदेश से यहां पढ़ रहे थे या फिर जो बाहरी राज्यों से संबंध रखते थे और कोरोना महामारी के चलते वापस अपने देश व राज्य में चले गए, उनके लिए ऑनलाइन परीक्षा का माध्यम रखा गया जबकि प्रदेश के विभिन्न जिलों के पढ़ने वाले विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय के अलावा अपने नजदीकी कृषि विज्ञान केंद्रों में परीक्षा दी। उन्होंने बताया कि स्नातक व स्नातकोत्तर की विभिन्न कक्षाओं के लिए विश्वविद्यालय में कुल 616 विद्यार्थियों ने ऑफलाइन माध्यम से परीक्षा दी जबकि कृषि विज्ञान केंद्र पानीपत में 21, कुरूक्षेत्र में 21, जींद में 49, यमुनानगर में 22, फरीदाबाद में 4, बावल में 25, कैथल में 29, पंचकूला में 3, सोनीपत में 17, सिरसा में 46, रोहतक में 35, मंडकौला में 9, महेंद्रगढ़ में 52, करनाल में 21, फतेहाबाद में 48, भिवानी में 65, अंबाला में 4, झज्जर में 2 और सदलपुर में 18 विद्यार्थियों ने ऑफलाइन माध्यम से परीक्षा दी। इसके अलावा कुल 85 विद्यार्थी ऑनलाइन माध्यम से परीक्षाओं में शामिल हुए जिनमें बाहरी राज्यों व विदेशों से परीक्षार्थी शामिल थे। इनमें से कुछ विद्यार्थी अफगानिस्तान व मयंमार से शामिल थे। परीक्षा नियंत्रक डॉ. एसके पाहुजा ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा जनवरी माह में आयोजित की जाने वाली फाइनल परीक्षाएं भी इसी पैटर्न पर ली जाएंगी ताकि विद्यार्थियों को किसी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े। साथ ही कोरोना महामारी के चलते केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों का पालन हो सके।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम...........दैनिक सवेरा...........

दिनांक 18.12.2020....पृष्ठ संख्या....4........कॉलम.....7-8......

एचएयू ने पहली बार मध्यावधि परीक्षाओं के लिए कृषि विज्ञान केंद्रों को भी बनाया परीक्षा केंद्र

विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज का फाइल फोटो।

जनवरी में भी इसी पैटर्न पर होंगे पेपर

परीक्षा नियंत्रक डॉ. एस.के. पाहुजा ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा जनवरी माह में आयोजित की जाने वाली फाइनल परीक्षाएं भी इसी पैटर्न पर ली जाएंगी ताकि विद्यार्थियों को किसी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े। साथ ही कोरोना महामारी के चलते केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों का पालन हो सके।

- **एचएयू ने ऑनलाइन व ऑफलाइन रूप से आयोजित किए मिड टर्म एग्जाम**

हिसार, 17 दिसंबर (सुरेंद्र सोढी) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं की मध्यावधि परीक्षाओं के लिए कोरोना महामारी के चलते इस बार एक नया पैटर्न अपनाया है। इस पैटर्न के तहत विद्यार्थियों के लिए ऑनलाइन व ऑफलाइन माध्यम से परीक्षाएं आयोजित कराई गई, जो कारगर साबित हुई हैं। इन परीक्षाओं में विद्यार्थियों ने सुविधानुसार बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बी.आर.कंबोज ने बताया कि कोरोना महामारी के चलते विद्यार्थियों के लिए मध्यावधि परीक्षाओं का आयोजन एक चुनौती भरा कार्य था। ऐसे में विश्वविद्यालय प्रशासन ने बैठक आयोजित कर एक नया पैटर्न अपनाते हुए पहली बार सभी परीक्षाओं को ऑनलाइन व ऑफलाइन माध्यम से आयोजित करने का फैसला लिया। ऑफलाइन परीक्षाओं के लिए इस बार विश्वविद्यालय के विभिन्न जिलों में स्थापित कृषि विज्ञान केंद्रों में भी परीक्षा केंद्र बनाए गए थे।

विदेशियों व बाहरी राज्यों के विद्यार्थियों ने दी ऑनलाइन परीक्षा

परीक्षा नियंत्रक डॉ. एस.के. पाहुजा ने बताया कि जो विद्यार्थी विदेश से यहां पढ़ रहे थे या फिर जो बाहरी राज्यों से संबंध रखते थे और कोरोना महामारी के चलते वापस अपने देश व राज्य में चले गए, उनके लिए ऑनलाइन परीक्षा का माध्यम रखा गया जबकि प्रदेश के विभिन्न जिलों के पढने वाले विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय के अलावा अपने नजदीकी कृषि विज्ञान केंद्रों में परीक्षा दी। उन्होंने बताया कि स्नातक व स्नातकोत्तर की विभिन्न कक्षाओं के लिए विश्वविद्यालय में कुल 616 विद्यार्थियों ने ऑफलाइन माध्यम से परीक्षा दी जबकि कृषि विज्ञान केंद्र पानीपत में 21, कुरूक्षेत्र में 21, जींद में 49, यमुनानगर में 22, फरीदाबाद में 4, बावल में 25, कैथल में 29, पंचकूला में 3, सोनीपत में 17, सिरसा में 46, रोहतक में 35, मंडकौला में 9, महेंद्रगढ़ में 52, करनाल में 21, फतेहाबाद में 48, भिवानी में 65, अंबाला में 4, झज्जर में 2 और सदलपुर में 18 विद्यार्थियों ने ऑफलाइन माध्यम से परीक्षा दी। इसके अलावा कुल 85 विद्यार्थी ऑनलाइन माध्यम से परीक्षाओं में शामिल हुए जिनमें बाहरी राज्यों व विदेशों से परीक्षार्थी शामिल थे। इनमें से कुछ विद्यार्थी अफगानिस्तान व मयंमार से शामिल थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक भास्कर सिरसा.....

दिनांक 18.12.2020.....पृष्ठ संख्या.....—.....कॉलम.....—.....

सुविधा • कुलपति प्रोफेसर समर सिंह बोले- एचएयू एक साथ सात सामुदायिक रेडियो स्टेशन स्थापित करने वाला देश का पहला कृषि विश्वविद्यालय बना

सिरसा के कृषि विज्ञान केंद्र में शुरू हुआ सामुदायिक रेडियो स्टेशन, किसानों को मिलेंगी कृषि व पशुपालन की जानकारियां

भास्कर न्यूज | सिरसा

सामुदायिक रेडियो स्टेशनों के प्रसारणों का कृषि विकास में महत्वपूर्ण योगदान होगा। इन स्टेशनों पर किसानों को ध्यान में रखकर कार्यक्रम प्रसारित किए जाएंगे। इन पर प्रसारित कार्यक्रमों के माध्यम से किसान सम-सामयिक विषयों पर संपूर्ण जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहे। वे विश्वविद्यालय के सिरसा में स्थित कृषि विज्ञान केंद्र पर सामुदायिक रेडियो स्टेशन के विधिवत उद्घाटन के बाद बोल रहे थे। यह रेडियो स्टेशन अब किसानों के लिए समर्पित कर दिया गया है। इस सामुदायिक रेडियो स्टेशन को हरियाणा सरकार के सहयोग से राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत स्थापित किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति ने कहा कि इनसे किसानों को मौसम सम्बन्धी जानकारी, विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों की सलाह, पशुपालन एवं गृह विज्ञान से संबंधित नवीनतम जानकारी प्रदान की जाएगी। व्यक्तिगत रूप से किसानों एवं कृषि-वैज्ञानिकों का आपसी संपर्क कम हो पाता है या संभव ही नहीं होता। ऐसे में सामुदायिक रेडियो स्टेशन कृषि से संबंधित उन्नत तकनीकों की जानकारी पहुंचाने की एक महत्वपूर्ण कड़ी बन सकते हैं।

किसानों व वैज्ञानिकों के होंगे घनिष्ठ संबंध, मिलेगी हर जानकारी

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि रेडियो स्टेशनों के स्थापित होने के बाद किसानों व वैज्ञानिकों के संबंध अधिक घनिष्ठ होंगे और किसानों को हर प्रकार की जानकारी मिलती रहेगी। उन्होंने कहा कि इनसे किसानों को फसलों की उन्नत किस्मों के साथ-साथ उनकी बिजाई संबंधी जानकारी, बीमारियों व कीटों और समाधान संबंधी जानकारी, मौसम सम्बन्धी जानकारी, विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों की सलाह, पशुपालन एवं गृह विज्ञान से संबंधित नवीनतम जानकारी प्रदान की जाएगी। व्यक्तिगत रूप से किसानों एवं कृषि-वैज्ञानिकों का आपसी संपर्क कम हो पाता है या संभव ही नहीं होता। ऐसे में सामुदायिक रेडियो स्टेशन कृषि से संबंधित उन्नत तकनीकों की जानकारी पहुंचाने की एक महत्वपूर्ण कड़ी बन सकते हैं।

ऐसे होगी सामुदायिक रेडियो स्टेशनों के कार्यक्रमों की रूपरेखा

शिक्षा निदेशक डॉ आरएस हुड्डा ने कहा कि यह सभी रेडियो स्टेशन हरियाणा सरकार की राष्ट्रीय कृषि विकास योजना व आत्मा स्कीम के तहत स्थापित किए गए हैं। विश्वविद्यालय में सबसे पहले 29 नवंबर 2009 को सामुदायिक रेडियो स्टेशन की स्थापना की गई और एफएम 91.2 मेगाहर्ट्ज पर कार्यक्रम प्रस्तुत करने शुरू कर दिए। इन रेडियो स्टेशनों से दिन में दो बार सुबह 9:30 बजे से 11:30 बजे तथा शाम को 2:30 बजे से 4:30 बजे कृषि पशुपालन, मौसम संबंधी जानकारी व हरियाणवी संस्कृति कार्यक्रम प्रसारित किए जाएंगे। डॉ. सुनील ने कहा कि ये रेडियो स्टेशन एक लंबे एवं जटिल प्रयास का परिणाम हैं क्योंकि इनको स्थापित करने के लिए विस्तार शिक्षा निदेशालय ने कई वर्षों तक मंत्रालयों से एनओसी प्राप्त करने के बाद ही किसानों को समर्पित किए हैं।

जानकारी प्रदान की जाएगी। सामुदायिक रेडियो स्टेशन स्थानीय संस्कृति, कला एवं ज्ञान को भी बढ़ावा देंगे। किसानों की आय दोगुना करने में माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के उद्देश्य को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने बताया कि इन स्टेशनों पर महिलाओं को स्वावलंबी व स्वरोजगारोन्मुखी बनाने संबंधित कार्यक्रम भी सुव्यवस्थित तरीके से अधिक से अधिक प्रसारित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय एक साथ सात सामुदायिक रेडियो स्टेशन स्थापित करने वाला देश का पहला कृषि विश्वविद्यालय बन गया है। भारत सरकार व हरियाणा सरकार की सहायता से इस तरह के छः सामुदायिक रेडियो स्टेशन विभिन्न कृषि विज्ञान केन्द्रों पर पहले ही स्थापित किए जा चुके हैं। इनमें हिसार, रोहतक, झज्जर, फतेहाबाद, कुरुक्षेत्र व जींद शामिल हैं।

सीडीएलयू के कुलपति प्रो. राजबीर सिंह सेलेकी अपने कार्यालय में नैक कमेटी के कन्वीनर और विभिन्न विभागों के अध्यक्षों एवं प्रभारियों को संबोधित करते हुए।

रिकॉर्ड नैक क्राइटेरिया हिसाब से करें सभी विभाग दुरुस्त, 2015 से 2020 तक रिकॉर्ड भेजें डायरेक्टर

भास्कर न्यूज | सिरसा

चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय सिरसा के कुलपति प्रो. राजबीर सिंह सेलेकी ने कहा कि व्यक्तिगत हित से संस्थान के हित सर्वोपरि होते हैं। उन्होंने विभिन्न विभागों के अध्यक्षों को प्रेरित करते हुए कहा कि यदि विश्वविद्यालय के नैक के अच्छे ग्रेड के लिए रिकॉर्ड का उचित प्रबंधन होना आवश्यक है। इसलिए सभी विभाग अपने-अपने रिकार्ड को नैक क्राइटेरिया के हिसाब से दुरुस्त करें। वर्ष 2015 से 2020 तक के रिकार्ड को डायरेक्टर आईक्यूएसी के पास भेजें, ताकि जल्द से जल्द विश्वविद्यालय की सेल्फ स्टडी रिपोर्ट नैक मूल्यांकन में भेजी जा सके। कुलपति आज नैक कमेटी के कन्वीनर तथा विभिन्न विभागों के अध्यक्षों एवं प्रभारियों को संबोधित कर रहे थे।

नैक के क्राइटेरिया के लिए बनाए 7 कन्वीनर

इस अवसर पर विभिन्न कमेटियों के कन्वीनरों ने बताया कि किस प्रकार बेहतरीन ढंग से उनकी कमेटियां ड्राफ्टिंग का कार्य करके सेल्फ स्टडी रिपोर्ट तैयार करने में मदद कर रहे हैं। आईक्यूएसी के डायरेक्टर प्रो. सुरेश गहलावत ने कुलपति का स्वागत किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम....पंजाब केसरी सरिसा....

दिनांक 18.12.2020 पृष्ठ संख्या.... — ....कॉलम.... — ....

सिटी न्यूज़ | सिरसा, वीरवार, 17 दिसंबर 2020 | 4

कृषि विज्ञान केंद्र के सामुदायिक रेडियो स्टेशन का हुआ उद्घाटन

सिरसा केसरी| न्यूज़

सिरसा। सामुदायिक रेडियो स्टेशनों के प्रसारणों का कृषि विकास में महत्वपूर्ण योगदान होगा। इन स्टेशनों पर किसानों को ध्यान में रखकर कार्यक्रम प्रसारित किए जाएंगे। इन पर प्रसारित कार्यक्रमों के माध्यम से किसान सम-सामयिक विषयों पर संपूर्ण जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहे। वे विश्वविद्यालय के सिरसा में स्थित कृषि विज्ञान केंद्र पर सामुदायिक रेडियो स्टेशन के विधिवत उद्घाटन के बाद बोल रहे थे। यह रेडियो स्टेशन अब किसानों के लिए समर्पित कर दिया गया है। इस सामुदायिक रेडियो स्टेशन को हरियाणा सरकार के सहयोग से राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत स्थापित किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति ने कहा कि इनसे किसानों को मौसम सम्बन्धी जानकारी, विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों की सलाह, पशुपालन एवं गृह विज्ञान से संबंधित नवीनतम जानकारी प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय एक साथ सात सामुदायिक रेडियो स्टेशन स्थापित करने वाला देश का पहला कृषि विश्वविद्यालय बन गया है। भारत सरकार व हरियाणा सरकार की सहायता से इस तरह के छः सामुदायिक रेडियो स्टेशन विभिन्न कृषि विज्ञान केन्द्रों पर पहले ही स्थापित किए जा चुके हैं। इनमें हिसार, रोहतक, झज्जर, पानीपत, कुरूक्षेत्र व जींद शामिल हैं।

ये रहे समारोह में मौजूद

इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में सिरसा के एसडीएम जयवीर यादव, अनुसंधान निदेशक डॉ. एस के सहरावत, प्रोजेक्ट डायरेक्टर डॉ. सतीश खोखर, कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ संयोजक डॉ. देवेंद्र सिंह जाखड़, जिला विस्तार विशेषज्ञ, प्रगतिशील किसानों सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति भी मौजूद थे।

ऐसे होगी सामुदायिक रेड़ियो स्टेशनों के कार्यक्रमों की रूपरेखा

विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ आर.एस. हुड्डा ने कहा कि यह सभी रेडियो स्टेशन हरियाणा सरकार की राष्ट्रीय कृषि विकास योजना व आत्मा स्कीम के तहत स्थापित किए गए हैं। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय में सबसे पहले 29 नवंबर 2009 को सामुदायिक रेडियो स्टेशन की स्थापना की गई और एफ.एम. 91.2 मैगाहर्टज पर कार्यक्रम प्रस्तुत करने शुरू कर दिए। इन रेडियो स्टेशनों से दिन में दो बार सुबह 9:30 बजे से 11:30 बजे तथा शाम को 2:30 बजे से 4:30 बजे कृषि पशुपालन, सरकारी योजनाओं, मौसम संबंधी जानकारी व स्थानीय कलाकारों द्वारा हरियाणवी संस्कृति कार्यक्रम प्रसारित किए जाएंगे। सह-निदेशक (फार्म परामर्श सेवा) डॉ. सुनील ढाण्डा ने कहा कि ये रेडियो स्टेशन एक लंबे एवं जटिल प्रयास का परिणाम है क्योंकि इनको स्थापित करने के लिए विस्तार शिक्षा निदेशालय ने लगातार कई वर्षों तक भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों से एनओसी प्राप्त करने के बाद ही किसानों को समर्पित किए गए हैं।